



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2022

दिनांक Date: 11.07.2022

YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IrkAuSyQ>
Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>

Twitter: @IisrIcar

Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(11-17 जुलाई 2022 / 11-17th July 2022)


(अ) उत्पादन की दृष्टि से सोयाबीन की बोवनी हेतु जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक का समय सबसे उपयुक्त होता है। जिन्होंने अभी तक बोवनी नहीं की है, उन्हें यह सलाह है कि सोयाबीन के अतिरिक्त आपके क्षेत्र के लिए अनुकूल कोई अन्य फसल लगाये।

(A). In order to have a good soybean yield, the sowing should be completed before the first week of July. Those farmers who have not yet completed the sowing are advised to go for sowing of alternate remunerative crop.



(ब) सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में इस वर्ष बोवनी की तिथियों में भिन्नता देखी गयी है। कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल 20-25 दिन, कुछ क्षेत्रों में 10-15 दिन की हुयी है जबकि कुछेक क्षेत्रों में इसकी बोवनी पिछले सप्ताह ही संपन्न हुयी है। अतः उक्त परिस्थिति में सोयाबीन कृषकों के लिए निम्न कृषि कार्य अपनाने की सलाह है।

(B) This year, lot of variation in the date of sowing has been reported for soybean crop in most of the soybean growing areas. In some areas, the crop has completed the duration of 20-25 days and 10-15 days while some farmers have completed sowing in the last week only in certain areas.

This year, the arrival of monsoon in different soybean growing areas has been uneven and erratic. It is noted that some areas have completed the sowing whereas remaining could initiate sowing during last week only after the receipt of second spell of rains. Farmers are advised to follow following measures as per the applicable situation. Looking to the present situation of soybean crop, farmers are advised to adopt following measures.

<p>1 सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण के लिए वरीयता अनुसार हाथ से निंदाई/डोरा/कुलपा/खड़ी फसल में उपयोगी रासायनिक खरपतवारनाशक में से किसी एक विधि का प्रयोग करें . सोयाबीन फसल के लिए अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची के लिए तालिका 1 देखे.</p> <p>Farmers are suggested to use manual weeding or</p>	
---	--

	Dora/Kulpa or Post emergence herbicides in order of their merits for managing the weed infestation. The list of recommended post-emergence herbicides is given in (Annexure 1).	
2.	<p>जिन कृषकों ने बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशक का छिड़काव किया है, वे 30-20 दिन की फसल होने पर डोरा/कुलपा चलायें.</p> <p>Farmers who have already used either of the Pre-Plant Incorporation (PPI) or Pre-emergence (PE) herbicides are advised to use inter-cultivation using Dora/Kulpa after 20-30 days of sowing.</p>	
3.	<p>बोवनी की तिथियों में भिन्नता होने से कीटों का प्रकोप भी अधिक समय तक रहने की आशंका है. अतः सुरक्षात्मक रूप से कीटनाशकों का छिड़काव करें. सलाह है कि पत्ती खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु फूल आने से पहले ही सोयाबीन फसल में क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) का छिड़काव करें. इससे अगले 30 दिनों तक पर्णभक्षी कीटों से सुरक्षा मिलेगी.</p> <p>As the crops have been sown at staggered planting periods, the life cycles of insects are likely to be increased and also for extended periods. The farmers are therefore advised to adopt precautionary measures for insect control. Farmers who have not used any of the PPI or PE herbicide earlier are advised to spray the soybean crop with Chlorantraniliprole 18.5 SC. @ 150 ml/ha till 4-5 days before flower initiation. This will ensure control of defoliators for the next 30 days.</p>	  
4.	<p>जिन्होंने बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का अभी तक प्रयोग नहीं किया है, सलाह है कि अनुशंसित कीटनाशकों के साथ संगतता पाए जाने वाले निम्न खरपतवारनाशक एवं कीटनाशकों में से किसी एक को मिलाकर छिड़काव करें.</p> <p>(1) कीटनाशक: क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्विनाल्फोस 25 ई.सी (1 ली/हे) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 एस.सी (333 मि.ली./हे)</p> <p>(2) खरपतवारनाशक: इमाज़ेथापायर 10 एस.एल (1 ली/हे) या क्विज़ालोफोप इथाइल 5 ई.सी (1 ली/हे)</p> <p>Farmers who did not apply PPI or PE herbicide are suggested to use combination of recommended herbicides and insecticides in order to save cost and time of application in soybean. The list of insecticides and herbicides found compatible in soybean is given below.</p> <p>Insecticides: Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) or Quinalphos 25 EC (1 l/ha) or Indoxacarb 15.8 EC (333 ml/ha)</p> <p>Herbicides: Imazethapyr 10 SL (1 lit/ha) or Quizalofop ethyl 5 EC (1.00 lit/ha).</p>	

5.	<p>कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन फसल में तना मक्खी का प्रकोप होने के लक्षण देखे गए हैं. इसके नियंत्रण हेतु सलाह है कि थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>Infection of stem fly has been reported in some areas. Farmers are advised to apply the spray of Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) for its control.</p>	 
----	---	--

तालिका 1: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशक खरपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3 ली.
2	बौवनी के तुरन्त बाद (PE)	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.5 - 2.00 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.5-3.30 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.5-1.75 कि.ग्रा.
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1 कि.ग्रा.
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.0 ली.
3	अ.बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम
		बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.0 ली.
	ब.बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.
		इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी.+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.
		क्विजालोफाफ इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.
		क्विजालोफाफ-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.
		फेनाक्सीफाफ-पी- इथाईल 9 ई.सी.	1.11 ली.
		क्विजालोफाफ-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.
		फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1-2 ली.
		हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1-1.25 ली.
		प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	0.5-0.75 ली.
		फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.
		क्लेथोडियम 25 ई.सी.	0.5 -0.75 ली.
	स.पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.0 ली.
		इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.
		प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.0 ली.
		सोडियम एसिफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाफ प्रोपारगील	1 ली.
		फोमेसाफेन+ क्विजालोफाफ इथाईल	1.5 ली.
		क्विजालोफाफ इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.

Table 1: List of recommended herbicides in soybean

No	Type of weedicide	Chemical Name	Quantity (per ha)
1	Pre Plant Incorporation (PPI)	Pendimethalin + Imazethapyr	2.5-3 l
2	Pre-emergence (PE)	Diclosulum 84 WDG	26-30 g
		Sulfentrazone 39.6 SC	750 g
		Chlomozone 50 EC	1.5-2.00 l
		Pendimethalin 30 EC	2.5-3.3 l
		Pendimethalin 38.7 CS	1.5 – 1.75 kg
		Flumioxazin 50 SC	250 ml
		Metribuzin 70WP	0.75- 1 kg
		Sulfentrazone + Clomazone	1250 ml
		Pyroxasulfone 85 WG	150 g
		Metolachlor 50 EC	2.0 l
3	Post emergence (10-12 DAS)	Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant	36 g
		Bentazone 48 SL	2.0 l
	Post emergence (15-20 DAS)	Imazethapyr 10 SL+ Surfactant	1.00 l
		Imazethapyr 70% WG + Surfactant	100 g
		Quizalofop-ethyl 5 EC	0.75-1.00 l
		Quizalofop-p-ethyl 10 EC	375-450 ml
		Fenoxaprop-p- ethyl 9.3 EC	1.11 l
		Quizalofop -p-tefuryl 4.41 EC	0.75-1.00 l
		Fluazifop-p-butyl 13.4% EC	1 -2 l
		Haloxifop R Methyl 10.5 EC	1-1.25 l
		Propaquizafop 10 EC	0.5-0.75 l
		Fluthiacet methyl 10.3 EC	125 ml
		Clethodim 25 EC	0.5-0.75 l
	POE Pre-mix formulations (15-20 DAS)	Fluazifop-p-butyl + Fomesafen	1 l
		Imazethapyr + Imazamox	100 g
		Propaquizafop + Imazethapyr	2.0 l
		Sodium Aceflourofen + Clodinafop Propargyl	1.0 l
		Fomesafen + Quizalofop ethyl	1.5 l
		Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 ml+36g+0.2%